कठपुतलियों की दुनिया

साभार: सेंटर फ़ॉर पपेट्री आर्ट्स

क्रेडिट © ए. पी. ब्रूक्स् ग्रैंथ

साभार: सेंटर फ़ॉर पपेट्री आर्ट्स

जेफ़री टॉमस

सेंटर फ़ॉर पपेट्री आर्ट्स पूरी दुनिया की कठपुतली कला की विरासत को खुद में संजोए है। इस केंद्र में कठपुतलियों के माध्यम से विभिन्न संस्कृतियों की झलक देखने को मिलती है।

अटलांटा स्थित सेंटर फ़ॉर पपेट्री आर्ट्स वर्ष 1978 में कर्मिट मेंढक और कठपुतली कला के जानेमाने नाम स्वर्गीय जिम हेन्सन द्वारा अपने विधिवत उद्घाटन के समय से ही बच्चों और वयस्कों को कठपुतलियों की दुनिया में लुभाता चला आ रहा है। उस समय एक समारोह में बाकायदा फीता काटकर इसकी शुरुआत हुई।

सेंटर के संस्थापक और अध्यक्ष कठपुतली कलाकार विन्सेंट एंटनी उस समय अंतरराष्ट्रीय कठपुतली कला संगठन यूनियन इंटरनेशनल डे ला मैरियॅनेट की अमेरिकी शाखा के प्रमुख थे। कठपुतली कला के संसार के इस सबसे पुराने संगठन का मुख्यालय आज सेंटर फ़ॉर पपेट्री आर्ट्स ही है। संगठन हर बरस एक अलग देश में अंतरराष्ट्रीय उत्सव का आयोजन करता है। वर्ष 1980 में जब यह उत्सव अमेरिका में हुआ था, तब इस परियोजना की वित्त व्यवस्था संभालने की ज़िम्मेदारी विन्सेंट एंटनी पर थी।

वह याद करते हैं, ''मुझे लगा कि इसमें तो बहुत विलक्षण संभावनाएं हैं। हमने वाशिंगटन के केनेडी सेंटर में कठपुतली प्रदर्शन किए। कॅारकॅारान गैलरी ऑफ़ आर्ट और स्मिथसॉनियन में संसारभर की कठपुतलियों के संग्रह प्रदर्शित करवाए और केनेडी सेंटर में भी एक शिक्षात्मक सत्र चला। मुझे लगा कि इस आयोजन को चलते रहना चाहिए– मैं चाहता था कि अमेरिका में पूरे संसार के कलाकारों के आतिथ्य का दमखम होना चाहिए और कलाकृतियों के माध्यम से कठपुतली जगत से रूबरू कराने की क्षमता भी।

सेंटर फ़ॉर पपेट्री आर्ट्स को कई पुरस्कार मिल चुके हैं: 12 बार इसे यूनियन इंटरनेशनल डे ला मैरियॅनेट का सर्वोच्च सम्मान साइटेशन ऑफ़ एक्सेलेंस मिला है, एमएसएन डॉट कॅाम ने इसे कई बार अमेरिका में बच्चों के 10 सबसे अच्छे संग्रहालयों में चुना है और अब आखिर इसे माइक्रॅासॉफ़्ट एजुकेशन अवार्ड भी मिल गया है। सेंटर के हैंड्स ऑन संग्रहालय में 350 से अधिक प्राचीन और आधुनिक कठपुतलियां हैं जिन्हें बच्चे छूकर अनुभव कर सकते हैं। स्थायी संग्रह में एक हज़ार से अधिक कठपुतलियां प्रदर्शित हैं।

जिम हेन्सन के चरित्रों पर आधारित कठपुतली चरित्रों को लेकर *गली गली सिम सिम* नामक छोटे बच्चों का एक धारावाहिक पोगो और कार्टून नेटवर्क चैनलों पर भारत में वर्ष 2006 में शुरू हुआ जिसमें यूएसएड ने भी सहायता दी। मार्च 2006 में अपनी भारत यात्रा के समय इस धारावाहिक के चरित्रों से

ऊपर बाएं: वर्ष 2008-09 की परिवार श्रृंखला में शामिल 'अगली डकलिंग'।
बिल्कुल ऊपर दाएं: जिम हेन्सन अपने कठपुतली चरित्रों के साथ।
ऊपर दाएं: सेंटर फ़ॉर पपेटरी आर्ट्स, अटलांटा का भवन।

बाएं: कठपुतली चरित्र कर्मिट द फ्रॉग और मिस पिग्गी।

साभार: सेंटर फ़ॉर पपेट्री आर्ट्स

क्रेडिट © ए. पी. ब्रूक्स् ग्रैंथ

बाएं: सेंटर में वयस्कों को भी कठपुतली कला विशेषज्ञ चरित्रों की आवाज़, कठपुतलियां तैयार करने और उन्हें संचालित करने जैसे विषयों के बारे में बताते हैं।

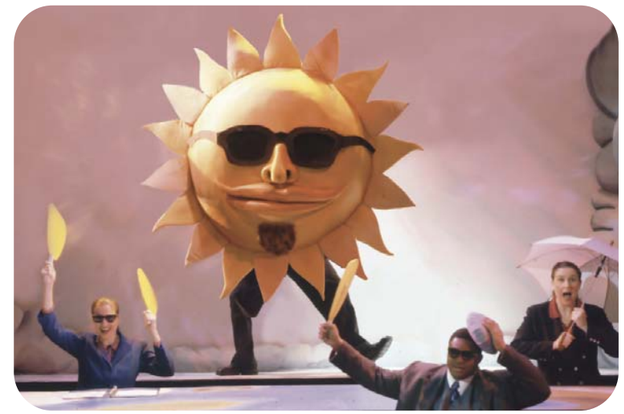

बिल्कुल दाएं: वर्ष 2008-09 के समरफ़ेस्ट में शामिल 'स्लीपिंग ब्यूटी' जिसे पॉल मेसनर ने तैयार किया।

दाएं ऊपर: स्थायी संग्रह का हिस्सा 'मैड हैटर' जिसे 1920 के आसपास टॉनी मॉर्ग ने डिज़ाइन किया।

दाएं नीचे: वर्ष 2008-09 की परिवार श्रृंखला में शामिल 'वेदर रॉक्स' जिसे जोन लुडविग ने तैयार किया।

यात्रा: सेंटर फ़ॉर पपेटरी आर्ट्स

ज़्यादा जानकारी के लिए:

सेंटर फ़ॉर पपेटरी आर्ट्स, अटलांटा

http://www.puppet.org/

बिट्स एन पीसेज पपेट थियेटर, फ़्लोरिडा

http://www.puppetworld.com/

मिलने फ़र्स्ट लेडी लॉरा बुश भी पहुंची थीं।

एंटनी कहते हैं, ''अगर कोई जानना चाहे कि उनके क्षेत्र में कठपुतली कला कैसी थी या है, तो वह हमारे यहां आकर देख सकता है। सेंटर का संग्रह वैश्विक है और संसार के विभिन्न क्षेत्रों की संस्कृतियों की झलक दिखाता है। दूसरे देश से आया कोई भी व्यक्ति आसानी से अपनी या किसी अन्य देश की संस्कृति से रूबरू हो सकता है और उस बारे में अपनी समझ विकसित कर सकता है। हम चाहते थे कि यहां पूरी दुनिया के हर क्षेत्र की हर गतिविधि पर लगातार निगाह रखी जाए और उसका दस्तावेज़ीकरण हो- पिछले 30 बरस से हमारा यही लक्ष्य रहा है। हमने इस विधा के हर पहलू को रोशनी में लाने का प्रयास किया है और इसीलिए हमने इसके नाम में केंद्र शब्द रखा है।''

यहां किंडरगार्टन से लेकर 12वीं कक्षा तक के बच्चों के लिए कठपुतली निर्माण कार्यशालाएं चलती हैं जिनमें अंतरराष्ट्रीय कठपुतली कला के माध्यम से वे सांस्कृतिक रूप से जागरूक होते हैं। वर्ष 1995 से स्कूल जाने की उम्र से छोटे बच्चों के लिए कार्यशालाएं शुरू की गई हैं। वर्ष 1997 से वयस्कों के लिए भी कठपुतली कला शिक्षा की कक्षाएं चलती हैं।

सेंटर की कार्यशालाओं, प्रदर्शनियों और कठपुतली कार्यक्रमों के माध्यम से हर वर्ष 350,000 से अधिक लोग इससे जुड़ते हैं। फैमिली सीरीज़ में सेंटर के कठपुतली कलाकार 'द अगली डकलिंग' और 'द लिट्ल मरमेड' जैसी कालजयी कहानियों पर आधारित कठपुतली कार्यक्रम प्रदर्शित करते हैं। न्यू डायरेक्शन्स सीरीज़ में वयस्कों के लिए कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाते हैं जिनमें कठपुतलियों, रोबोटों से लेकर मुखौटाधारी नर्तक तक भाग लेते हैं।

सेंटर को मिला माइक्रोसॉफ़्ट एजुकेशन अवार्ड वर्ष 2008 के टेक अवार्ड्स में से एक है जो मानवता के लाभ और वैश्विक बदलाव के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करने वाले नवाचारियों को सम्मानित करते हैं। यह पुरस्कार सेंटर को इंटरएक्टिव वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से ग्रामीण और निम्न आय समुदायों और विशेष आवश्यकताओं वाले समूहों के लिए कला शिक्षा उपलब्ध करवाकर शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के लिए सेंटर के दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम को दिया गया है। यह इंटरएक्टिव वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कक्षाएं उपलब्ध करवाने वाले गिनेचुने संग्रहालयों में से है। गम्भीर वित्तीय समस्याओं से जूझ रही शालाओं के लिए इंटरएक्टिव वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग छात्रों को प्रायोगिक शिक्षा उपलब्ध करवाने का सरल उपाय है। सेंटर की वेबसाइट पर दिए एक नमूने के अनुसार इंटरएक्टिव वीडियो कक्षाओं में शिक्षक कक्षा में कठपुतलियां बनाना और संचालित करना सिखाते हैं।

एंटनी कहते हैं कि उनका एक सपना था: ''संसार के किसी भी कोने से सेंटर तक पूरी पहुंच।'' वह मानते हैं कि आभासी सैरों, इंटरएक्टिव प्रोग्रामिंग और दूरस्थ शिक्षा की वैश्विक स्तर पर भारी मांग होगी। ''मैं चाहता हूं कि यह सब हमारी वेबसाइट पर नियमित रूप से उपलब्ध रहें। यानी आप अंदर जा सकें, प्रदर्शन देख सकें, दूरस्थ शिक्षा स्टूडियो में जा कर देख सकें कि वहां हो क्या रहा है।'' सेंटर के दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रमों में 43 राज्यों, तीन बाहरी देशों के 130,000 से अधिक छात्र भाग ले चुके हैं।

30 सितंबर को सेंटर ने अपने स्थायी संग्रह को ऑनलाइन जारी किया। वर्ष 2007 में हेन्सन परिवार ने घोषणा की थी कि वह जिम हेन्सन की रचनाओं का संग्रह, करीब 700 कठपुतलियां, सेट, पर्दे, पोस्टर, रेखांकन, फिल्में और वीडियो सेंटर को देना चाहते हैं। इस संग्रह को वर्ष 2011 में खुलने वाली जिम हेन्सन विंग में प्रदर्शित किया जाएगा।

एंटनी कहते हैं, ''यह हमारे सामने एक बहुत बड़ी चुनौती है जिसे पूरा करने के लिए हमें बहुत से लोगों की सहायता चाहिए।''

जेफ़री टॉमस America.gov के कार्यालय लेखक हैं।